BA I Social Psychology (H)

Q. पर्यावरण प्रबंधन के उपाय पर टिप्पणी लिखें।

Ans- आधुनिक युग में भौतिक पर्यावरण और मनोवैज्ञानिक पर्यावरण, दोनों ही प्रकार के पर्यावरण में प्रदूषण इतना अधिक बढ़ गया है कि इन पर्यावरण के प्रबंधन की आवश्यकता पिछले 50 वर्षों से वैज्ञानिकों और विद्वानों द्वारा अनुभव की जा रही है और इस दिशा में प्रयास भी किए गए हैं लेकिन यह प्रयास प्रभावी नहीं रहे हैं। फलस्वरूप भौतिक पर्यावरण में प्रदूषण और मनोवैज्ञानिक पर्यावरण प्रदूषण दिन-दुनी रात चौगुनी गति से बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण में प्रदूषण का एक प्रमुख कारण मुख्यतः प्राकृतिक संसाधनों से छेड़-छाड़ किया जाना है

(1.) जनभर नियंत्रण :- जनसंख्या विस्फोट के कारण पर्यावरण ~~नियंत्रण~~ संबंधी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। इस कारण से पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सर्वप्रथम आवश्यकता इस बात की है कि जनभर को नियंत्रित ~~करने~~ के लिए किया जाए।

(2) वनों को नष्ट होने से बचाया जाये :- बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण वनों की कटाई तीव्र गति से आज भी चल रही है यद्यपि आज इस दिशा में कुछ सार्थक प्रयास भी चल रहे हैं।

(3) वृक्षारोपण :- पृथ्वी पर जनसंख्या का

Scanned by TapScanner

आर इतना अधिक हो गया है कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक हो गया है कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए जिससे कि प्राकृतिक संतुलन बना रहें।

(ब) पर्यावरण की शिक्षा :- पर्यावरणीय प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण अंग पर्यावरण की शिक्षा है। छोटी कक्षाओं से लेकर बड़ी कक्षाओं तक विद्यार्थियों को पर्यावरण की शिक्षा देना आवश्यक है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
Subject - Social psychology
Papper - II
U.K. Collage Rosera Samastipur
9570435959, 9431852588

Scanned by TapScanner